

**मताधिकार** पुं. (तत्.) मतदान करने का अधिकार, विचार प्रकट करने का अधिकार, निर्वाचन में वोट देने का अधिकार।

**मतानुज्ञा** स्त्री. (तत्.) प्रतिवादी पक्ष द्वारा अपना दोष बताए जाने पर उसका खंडन किए बिना दूसरे पक्ष में भी वही दोष बताना।

**मतानुयायी** पुं. (तत्.) किसी विशेष मत, संप्रदाय या सिद्धांत को मानने वाला, मतग्राही।

**मतार्थक** पुं. (तत्.) 1. मत का समर्थन करने वाला व्यक्ति 2. किसी के पक्ष का समर्थन कर प्रचार करने वाला व्यक्ति।

**मतावलंबी** वि. (तत्.) किसी विरोध मत, संप्रदाय या सिद्धांत को मानने वाला। मतानुयायी।

**मति** स्त्री. (तत्.) 1. विचार, बुद्धि, धारणा, मन चेतना, सूझ-बूझ 2. अवधारणा, विश्वास, राय मुहा. मति कच्ची होना- समझदारी में कमी होना; मति फिरना- विचार बदल जाना; मति मारी जाना- बुद्धि भ्रष्ट हो जाना।

**मति-धीर** पुं. (तत्.) जिसकी बुद्धिस्थिर हो, स्थिर बुद्धि।

**मति भेद** पुं. (तत्.) विचारों का बदलना, बुद्धि परिवर्तन।

**मतिमांद्य** पुं. (तत्.) मति की मंदता, बुद्धिमंदता, अकल की कमी।

**मतिमान** पुं. (तत्.) मति से युक्त, बुद्धिमान।

**मत्कुण** पुं. (तत्.) एक प्रकार का कीड़ा जो खाट में रहता है, खटमल।

**मत्त** वि. (तत्.) मदमस्त रहने वाला, पागल, उन्मत्त, खुश।

**मत्तकाशिनी** स्त्री. (तत्.) मनमोहक स्त्री, प्रमदा महिला।

**मत्तगयंद** पुं. (तत्.) 1. मदमस्त हाथी 2. सवैया छंद का एक भेद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सात भगण और दो गुरु के योग से तेईस वर्ण होते हैं।

**मत्तमयूर** पुं. (तत्.) 1. मस्ती भरा मोर 2. मत्तमयूर नामक एक छंद।

**मत्तसमक** पुं. (तत्.) एक सममात्रिक चौपाई छंद का नाम, जिसके प्रत्येक चरण में सोलह मात्राएँ होती हैं और नवमी मात्रा लघु होती है।

**मत्ता** स्त्री. (तत्.) पागल स्त्री, पगली काव्य. एक प्रकार का दस वर्णों का समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः मगण, भगण सगण और गुरु वर्ण होते हैं, तथा 4-6 पर यति होती है।

**मत्तेभ** पुं. (तत्.) हाथी की मत्त संतान, हाथी का मस्त बच्चा।

**मत्था** पुं. (तद्.) मस्तक, माथा, ललाट, सिर का उपरी भाग।

**मत्सर** पुं. (तत्.) ईर्ष्या, क्रोध, डाह, जलन।

**मत्सरी** पुं. (तद्.) वह व्यक्ति जो मत्सर रखता हो, डाह करने वाला।

**मत्स्य** पुं. (तत्.) 1. मछली 2. प्राचीन काल का एक देश जिसे मत्स्य देश (विराट) के नाम से जाना जाता था 3. विष्णु के दस अवतारों में से प्रथम अवतार मत्स्यावतार।

**मत्स्यगंधा** स्त्री. (तत्.) महाभारत की एक पात्र सत्यवती का नाम; व्यास मुनि की माँ का नाम।

**मत्स्यजयंती** स्त्री. (तत्.) विष्णु के 'मत्स्यावतार' की तिथि, चैत्र शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि।

**मत्स्यजीवी** पुं. (तत्.) मछली की जीविका से जीवन निर्वाह करने वाला, मछुआरा।

**मत्स्यदेश** पुं./वि. (तत्.) राजस्थान प्रदेश के 'अलवर' क्षेत्र का प्राचीन नाम।

**मत्स्यपालन** पुं. (तत्.) मछली पालकर उनकी पैदावार बढ़ाने का काम।

**मत्स्यपुराण** पुं. (तद्.) अठारह पुराणों में से एक।

**मत्स्यावतार** पुं. (तत्.) विष्णु के दस अवतारों में प्रथम अवतार मत्स्यावतार।